



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II — वर्ष 3—उपलब्ध (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 139] मई दिल्ली, भारत, मई 6, 1972/वृश्चिक 16, 1894

No. 139] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 6, 1972 VAISAKHA 16, 1854

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे इक पाह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 6th May, 1972

G.S.R. 275(E).—The following Order made by the President is published for general information:—

C.O. 98

THE CONSTITUTION (APPLICATION TO JAMMU AND KASHMIR)  
SECOND AMENDMENT ORDER, 1972.

In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 370 of the Constitution, the President, with the concurrence of the Government of the State of Jammu and Kashmir, is pleased to make the following Order:—

1. (1) This Order may be called the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Second Amendment Order, 1972.

(2) It shall come into force at once.

2. In paragraph 2 of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954,—

(1) in sub-paragraph (6) (relating to PART XI), for clause (b), the following clause shall be substituted, namely:—

(b) For article 248, the following article shall be substituted, namely:—

“248. Residuary powers of legislation.—Parliament has exclusive power to make any law with respect to—

(a) prevention of activities directed towards disclaiming, questioning or disrupting the sovereignty and territorial integrity of India

or bringing about cession of a part of the territory of India or secession of a part of the territory of India from the Union or causing insult to the Indian National Flag, the Indian National Anthem and this Constitution; and

(b) taxes on—

(i) foreign travel by sea or air;

(ii) inland air travel;

(iii) postal articles, including money orders, phonograms and telegrams.”.

(2) in sub-paragraph (22) (relating to the SEVENTH SCHEDULE), in clause (a), for item (iv), the following item shall be substituted, namely:—

“(iv) for entry 97, the following entry shall be substituted, namely:—

“97. Prevention of activities directed towards disclaiming, questioning or disrupting the sovereignty and territorial integrity of India or bringing about cession of a part of the territory of India or secession of a part of the territory of India from the Union or causing insult to the Indian National Flag, the Indian National Anthem and this Constitution; taxes on foreign travel by sea or air, on inland air travel and on postal articles, including money orders, phonograms and telegrams.”.

V. V. GIRI,

President.

[No. F. 19(6)/71-LI.]

K. K. SUNDARAM, Jt. Secy.

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 मई, 1972

सांकेति० २७५।—राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्नलिखित आदेश सर्वसाधारण के सुनार्थ प्रकाशित किया जा रहा है:—

संग्रहा० ९३

संविधान (जम्मू-कश्मीर को लागू होना) द्वितीय संशोधन आदेश, 1972

संविधान के अनुच्छेद 370 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जम्मू-कश्मीर राज्य सरकार की सहमति में, निम्नलिखित आदेश करते हैं:—

1. (1) यह आदेश संविधान (जम्मू-कश्मीर को लागू होना) द्वितीय संशोधन आदेश, 1972 कहा जा सकेगा।

(2) यह तुलन प्रबन्ध ह.गा।

2. संविधान (जम्मू-कश्मीर को लागू होना) आदेश, 1954 के पैरा 2 में, (i) उप-पैरा (6) में (जो भाग II से सम्बद्ध है) खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अधिकृत:—

(ख) अनुच्छेद 248 के स्थान पर निम्नलिखित अनुच्छेद प्रतिस्थापित किया जाएगा, अधिकृत:—

“248 अर्थात् विधायी शक्तियाँ—संसद् को निम्नलिखित के बारे में विधि बनाने की अनन्य शक्ति है।—

(क) भारत की प्रभुता और प्रादेशिक अखण्डता की अन-श्रगोकरण करने, चुनौती देने और विच्छिन्न करने वाले, अथवा भारत-राज्यकोष के किसी भाग का अध्यर्पण कराने

बाले अथवा संघ में से भारत राज्यक्षेत्र का कोई भाग विलग कराने वाले अथवा भारतीय राष्ट्रीय छवज, भारतीय राष्ट्रगान तथा इस संविधान का अपमान करने वाले कियाकलापों का निवारण ; और

(ब) निम्नलिखित पर कर,--

(i) समुद्र या वायू द्वारा विदेश यात्रा ;

(ii) अन्तर्देशीय वायू यात्रा ;

(iii) डाक वस्तुएं, जिनके अन्तर्गत मनोआँडर, फोनोआम तथा तार भी हैं।”।

(2) उप-वैरा (22) में (जो सप्तम अनुसूची से सम्बद्ध है) खण्ड (क) की मद (iv) के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—।

‘(iv) प्रविष्टि 97<sup>7</sup> के थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी अर्थात् :—

“97. भारत की प्रभुता और प्रादेशिक प्रखण्डता को अन-अग्रीकरण करने, चुनौती देने और विच्छिन्न करने वाले अथवा भारत-राज्यक्षेत्र के किसी भाग का अध्यर्थण कराने वाले अथवा संघ में से भारत राज्यक्षेत्र का कोई भाग विलग कराने वाले अथवा भारतीय राष्ट्रीय छवज, भारतीय राष्ट्रगान तथा इस संविधान का अपमान करने वाले कियाकलापों का निवारण ; समुद्र या वायू द्वारा विदेश यात्रा पर, अन्तर्देशीय वायू यात्रा पर तथा डाक वस्तुओं पर, जिनके अन्तर्गत मनोआँडर, फोनोआम तथा तार भी हैं, कर।”।

बी० बी० गिरि,

—  
राष्ट्रपति ।

[सं० एफ० 19(6)। 71-एल० [I]

के० के० सुवरम्,

संयुक्त सचिव, भारत सरकार

